अध्याय 10
भू–संरक्षण एवं पुनर्वास कार्य वृत्त

Chapter X
Soil Conservation and Rehabilitation Working Circle

10.1 कार्यवृत्त का सामान्य गठन
General Constitution of Working Circle

भीलवाड़ा जिले में आने वाले परिभ्रांषित वन क्षेत्रों तथा उन सभी पहाडियों तथा उन इलाकों को सम्मिलित किया गया है, जो निरन्तर कटाई, चराई व जैविक दबाव के फलस्वरूप परिभ्रांषित हो गये हैं, परन्तु धौंक व अन्य वनस्पति का पर्याप्त रूट स्टॉक विद्यमान है। जिन क्षेत्रों में चराई का दबाव अपेक्षाकृत कम है वहाँ रूट स्टॉक की सुरक्षा से उन्हें पेड़–पौधों में विकसित किया जा सकता है। इन क्षेत्रों में विविध प्रजातियों का भी पर्याप्त रुट स्टॉक है। प्रारम्भिक कार्य योजना में प्रस्तावित धौंक सुधार कार्यवृत को भी इसी कार्यवृत में सम्मिलित कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त ऐसे क्षेत्र जिन्हें सुरक्षा एवं प्राकृतिक पुनरूत्पादन को प्रोत्साहित कर विकसित किया जा सकता है, उन्हें भी इस कार्यवृत्त में रखा गया है।

10.2 वनस्पति की सामान्य संरचना
General Composition of Vegetation

इस प्रबंधन वृत में सम्मिलित किए गए वन क्षेत्रों की वनस्पति की सामान्य संरचना बहुत विविधतापूर्ण है, इसमें कुछ स्थलों पर झाड़ीनुमा धौंक वनों से लेकर अनेक स्थलों पर एकदम वनस्पति विहीन व रूट स्टॉक रहित क्षेत्र भी सम्मिलित किए गए हैं। यह स्थिति वन क्षेत्रों में लम्बे समय से चल रही वनस्पति के नकारात्मक विकास व पर्याप्त वर्षा के अभाव के कारण हुई है। इसके अतिरिक्त वे क्षेत्र भी हैं जहाँ भू क्षरण की समस्या उठ खड़ी हुई हैं। ऊपरी ढालों पर कहीं–कहीं सालर की शुद्ध पैदावार देखी गई है जबकि इन्हीं संविभागों में धौंक की स्थिति झाड़ीनुमा अवस्था में बदल गई है। इससे सिद्ध होता है कि स्थानीय जनता के लिए अति उपयोगी होने के कारण धौंक को अन्य प्रजातियों की तुलना में अत्यधिक क्षति पहुंचाई गई है।

परिभ्रंषण की प्रारंभिक अवस्था में क्षेत्र की वनस्पति में धौंक, उसकी प्राकृतिक सहयोगी प्रजातियों के साथ जैसे सालर, गुरजन, खिरनी, रौंझ, खैर, हिंगोट, गौयाखेर, कड़ाया

आदि के साथ पाया जाता है। इसके पश्चात की अवस्था में सर्वप्रथम खैर व बांस लुप्त हो गए हैं। यही स्थिति अवनति की ओर बढ़ती है तथा धौंक बार–बार कटाई के छंगान से अत्यधिक प्रभावित होता है, तो लुप्त होने से पूर्व झाड़ीनुमा आकृति ले लेता है।

10.3. कार्यवृत्त के विशिष्ट उद्देश्य
Special Objectives of Working Circle

इन क्षेत्रों में वन प्रबन्धन के विशेष उद्देश्य निम्न हैं :

1. विभिन्न प्रजातियों के रुट स्टॉक को, वन वर्धन क्रियाओं की सहायता से, उपचारित कर रिक्त स्थानों का पुनर्भण्डारण करना।
2. परिभ्रांषित व रिक्त क्षेत्रों का वृक्षारोपण व बीजारोपण कर सस्य को बढाना ।
3. वन क्षेत्र का संरक्षण करना एवं सस्य की दशा व संरचना में सुधार करना।
4. परिभ्रांषित क्षेत्रों को और परिभ्रांषित होने से बचाना।
5. मृदा को वनस्पति आवरण से आच्छादित कर, नमी की मात्रा को बढ़ाना तथा भूमिगत जल में वृद्धि करना।
6. स्थानीय लोगों की वास्तविक आजीविका की आवश्यकताओं की पूर्ति करना।

10.4 कार्यवृत्त का क्षेत्र वितरण
Area Allotment of Working Plan

संविभाग कक्ष में अधिकांश क्षेत्र की वनस्पति के स्वरूप के आधार पर पूर्ण संविभाग को एक ही प्रबन्धन वृत्त आवंटित किया गया है। एक ही संविभाग कक्ष में वनस्पति असमान है।

कार्यवृत्त में सम्मिलित संविभागों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार हैं।

(अ) परिभ्रांपित वनों का पुनरूद्धार (आर.डी.एफ. मॉडल – II)/ सह प्राकृतिक पुनरूत्पादन मॉडल ANR में सम्मिलित संविमाग

क्र.स.	रेंज	वनखण्ड	संविमाग	क्षेत्रफल
1.	मांडलगढ	माकड़िया काली खोल	1	127
2.	मांडलगढ	मांडलगढ़	1	302
3.	मांडलगढ	नाहरिया जागीर	1	133
4.	मांडलगढ	सतवावड़ी	1	150
5.	मांडलगढ	सतबावड़ी	2	140.3
6.	मांडलगढ	धनवाड़ा	1	215.7
7.	मांडलगढ	धनवाड़ा	2	165.5
8.	मांडलगढ	धनवाड़ा	3	150.5
9.	मांडलगढ	धनवाड़ा	4	202.5
10.	मांडलगढ	धनवाड़ा	5	110.5
11.	मांडलगढ	धनवाड़ा	6	140.5
12.	मांडलगढ	धनवाड़ा	7	94.8
13.	मांडलगढ	बेगू खरला	1	158
14.	मांडलगढ	सोने का टका	1	160.5
15.	मांडलगढ	सोने का टका	2	165.5
16.	मांडलगढ	सोने का टका	3	130
17.	मांडलगढ	सोने का टका	4	137
18.	मांडलगढ	सोने का टका	5	224
19.	मांडलगढ	निमजरी सेतुरी	1	50.54
20.	मांडलगढ	बांका	1a	180
21.	मांडलगढ	बांका	1b	220
22.	मांडलगढ	बांका	2	161.3
23.	मांडलगढ	बांका	3	146
24.	मांडलगढ	बांका	4	154.1
25.	मांडलगढ	बांका	5	124.2
26.	मांडलगढ	बांका	6	174.1
27.	मांडलगढ	बांका	7	310
28.	मांडलगढ	बांका	8	110.1
29.	मांडलगढ	बांका	9	30.21
30.	मांडलगढ	बांका	10	155
31.	मांडलगढ	बांका	11	205.1
32.	मांडलगढ	बांका	12a	135.3
33.	मांडलगढ	बांका	12b	75.6
34.	मांडलगढ	बांका	13	75.1

	मांडलगढ	बांका	14	187
35.	मांडलगढ	बांका	15	150.22
36.	मांडलगढ	बांका	16	65.54
37.	मांडलगढ	बांका	17	300
38.	मांडलगढ	बांका	18	320
39.	मांडलगढ	बांका	19	112.31
40.	मांडलगढ	बांका	20	101.1
41.	मांडलगढ	बांका	21	301.12
42.	मांडलगढ	बांका	22	161.1
43.	मांडलगढ	बांका	23	51.2
44.	मांडलगढ	बांका	24	213.1
45.	मांडलगढ	बांका	25	124.1
46.	मांडलगढ	बांका	26	206.1
47.	मांडलगढ	बांका	27	110
48.	मांडलगढ	बांका	28	181
49.	मांडलगढ	भोपतपुरा	1	36.3
50.	मांडलगढ	भोपतपुरा	2	127.2
51.	मांडलगढ	भोपतपुरा	3	152.9
52.	मांडलगढ	भोपतपुरा	4	56.3
53.	मांडलगढ	भोपतपुरा	5	456.6
54.	मांडलगढ	भोपतपुरा	6	416
55.	मांडलगढ	भोपतपुरा	7	137
56.	मांडलगढ	भोपतपुरा	8	232.2
57.	मांडलगढ	भोपतपुरा	9	207.8
58.	मांडलगढ	भोपतपुरा	10	303
59.	मांडलगढ	भोपतपुरा	11a	178.3
60.	मांडलगढ	भोपतपुरा	11b	279.5
61.	मांडलगढ	भोपतपुरा	12	229.3
62.	मांडलगढ	भोपतपुरा	13	154
63.	मांडलगढ	भोपतपुरा	14	104.6
64.	मांडलगढ	केकड़िया	1	127.57
65.	मांडलगढ	केकड़िया	2	56.43
66.	मांडलगढ	रिछोड़	1	195.1
67.	मांडलगढ	रिछोड़	2a	190
68.	मांडलगढ	रिछोड़	2b	40.2
69.	मांडलगढ	रिछोड़	3	111.1
70.	मांडलगढ	रिछोड़	4	93.6
71.	मांडलगढ	रिछोड़	5	110
72.	मांडलगढ	रिछोड़	6a	70
73.	मांडलगढ	रिछोड़	6b	60
74.	मांडलगढ			